Dr Rupashree Jain
Associate prof
TDC part II
Paper III rd
Research Methodology

Laboratory Experiment Research
प्रयोगशाला प्रयोग शोध

मनोविज्ञान में प्रयोगशाला प्रयोग शोध को काफी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। प्रयोगशाला प्रयोग शोध से तात्पर्य वैसे प्रयोगात्मक शोध से होता है, जो एक प्रयोगशाला में प्रायः Randomly रूप से चुने गये व्यक्तियों (या पशुओं) के समूह पर किया जाता है।

According to Festinger, " प्रयोगशाला प्रयोग शोध वह है जिसमें शोधकर्ता वैसी परिस्थिति उत्पन्न करता है जैसा कि अध्ययन करना चाहता है एवं जिसमें वह कुछ चरों को नियंत्रित करता है तथा कुछ अन्य चरों में manipulation करता है"

उपर्युक्त परिभाषा के विश्लेषण से निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती है।

1 - प्रयोगशाला प्रयोग शोध में शोधकर्ता एक ऐसी परिस्थिति उत्पन्न करता है जिसमें सभी extraneous variable नियंत्रित हो जाते हैं जब सभी EV control हो जाते हैं तो अपने आप ही उनसे उत्पन्न प्रसरण नियंत्रित हो जाता है। इससे प्रयोग की शुद्धता बढ़ जाती है।

2- इस प्रयोग में शोधकर्ता कुछ चरों में manipulation करता है ऐसे variables को IV (Independent variable) कहा जाता है। जिस चर पर manipulation का प्रभाव देखा जाता है उसे dependent variable कहा जाता है।

Purpose of Laboratory experiment-
इसके तीन उद्देश्य है।

1- प्रयोगशाला प्रयोग शोध में शोधकर्ता IV तथा DV के बीच प्रस्तावित संबंध को एक ऐसे एवं असम्मिश्रित परिस्थिति में अध्ययन करने का प्रयास करता है। जिसमें परिस्थिति इस ढंग से पूर्णतः नियंत्रित कर ली जाती है कि उसमें DV पर मात्र IV में किये गये manipulation का ही प्रभाव पड़ सके।

2- इस शोध द्वारा विभिन्न सिद्धान्तों तथा अन्य लोगों द्वारा किये गये शोधों से प्राप्त पूर्वकथनों की जाँच की जा सके।

3- इसे शोध का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के सिद्धान्तों एवं प्रकल्पनाओं को परिभाषित कर एक theoretical system का निर्माण करना होता है।

Scanned with CamScanner

Merit of Laboratory Experiment Research:

1 – यह शोध controlled एवं uncontaminated परिस्थिति में की जाती है इसलिए इसके निष्कर्ष पर अधिक भरोसा किया जाता है

2 – इस शोध में शोधकर्ता IV के manipulation पर भी पूर्ण नियंत्रण होता है इसके अलावा प्रयोगकर्ता शोध के लिए तैयार किए गए subjects का Random assignment भी करता है। इससे प्रयोगकर्ता से संबंधित experimenter Bias भी नियंत्रित हो जाता है जिससे प्रयोग के परिणाम अधिक शुद्ध और वैध हो जाते हैं।

3 – यह शोध पूर्णतः नियंत्रित परिस्थिति में होता है जिससे IV का manipulation अधिकतम होता है तथा subjects का Random assignment भी संभव हो पाता है। इसलिए इसमें internal validity अधिक होती है।

4 – इस शोध में यथार्थता अधिक होती है क्योंकि DV में उत्पन्न परिवर्तन को मापने के लिए precise apparatus का प्रयोग होता है।

5 – इस शोध में Replication का भी लाभ होता है इस शोध डिजाइन तथा विधि इतने वस्तुनिष्ठ होते हैं कि कोई शोधकर्ता जरूरत पड़ने पर इसे Replicate कर सत्यता की जाँच कर सकता है

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

Limitations

1- इस शोध में External validity की कुछ कमी होती है।

2- इस शोध की प्रायोगिक परिस्थिति artificial होती है स्वाभाविक नहीं।

3- इस शोध ~~में~~ में प्राय: कई IV में एक साथ manipulation किया जाता है। इसलिए इस ढंग के प्रयोगात्मक जोड़-तोड़ का प्रभाव प्राय: दुर्बल और अस्पष्ट होते है।

4- इस शोध द्वारा कुछ विशेष परिस्थिति जैसे major riots, earthquake, आदि में व्यक्तियों के व्यवहारों में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन नहीं किया जा सकता है क्योंकि इस ढंग की ~~की~~ परिस्थिति प्रयोगशाला में उत्पन्न नहीं की जा सकती है।

5- Social approval न होने के कारण भी कुछ परिस्थितियों में व्यक्ति के व्यवहारों का अध्ययन प्रयोगशाला प्रयोग शोध द्वारा नहीं किया जा सकता है।

6- इसमें Parsimony का अभाव पाया जाता है यह ~~एक~~ खर्चीला तथा अधिक समय लेने वाला शोध है।

अत: इन आलोचनाओं के बावजूद भी यह शोध मनोवैज्ञानिक तथा शैक्षणिक शोधों में सर्वाधिक माना गया है।

Scanned with CamScanner